केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 100 रविवार 1 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मण्डलायुक्त ने दिलायी शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी गयी। उन्होने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर अपर आयुक्त (न्यायिक) सुरेन्द्र प्रसाद यादव, अपर आयुक्त (प्रशासन) मनोज कुमार तिवारी, संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी, उप निदेशक पंचायत, हरिकेश बहादुर, उपश्रमायुक्त श्रीमती रचना केशरवानी, वैक्तिक सहायक बजरंग बली पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार श्रीवस्तव, शमीम अहमद, अमित उपाध्याय, शैलेश श्रीवास्तव, राजेश रसाल, अनुपम चौधरी, संदीप यादव, सौरभ कुमार, महेन्द्र कुमार, आफताब अहमद, ओम प्रकाश चौधरी, सुहेल अहमद, पवन यादव, आलोक सिंह, शलभ श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, मुमताज अहमद सहित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पड़रिया दत्तू खेल मैदान में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। सांसद राम प्रसाद चौधरी और विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी ने प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित किए।

रुधौली विधानसभा क्षेत्र के दसिया–महनुआ मार्ग पर स्थित खेल मैदान में हुए कार्यक्रम का संयोजन ग्राम प्रधान शिवेन्द्र चौधरी ने किया। इसमें जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम में अतिथियों ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि पटेल ने सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में भूमिका निभाई।

मौजूद लोगों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और अखंडता मजबूत करने का आह्वान किया गया।

मनीष मिश्रा ने सिर पर जूता रखकर लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भाजपा नेता मनीष मिश्रा ने तोहफे में मिले जूते पैरों में पहनने के बजाय सिर पर रख लिए। उन्होंने इसे बस्ती के विकास का संकल्प बताया। मनीष मिश्रा का कहना है कि जब तक वह बस्ती में 500 से 1000 करोड़ रुपये का निवेश नहीं लाएंगे, तब तक जूते नहीं पहनेंगे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। पहल सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी के संस्थापक मनीष मिश्रा ने कहा कि बस्ती उनकी मातृभूमि है। यहां आने पर वह जूते उतारकर मोजे पहनते हैं और नंगे पैर चलते हैं। उन्होंने जूते सिर पर रखने को भी बस्ती के विकास से जुड़ा संकल्प बताया। मनीष मिश्रा के संस्थान के जरिए गरीब मरीजों के इलाज के लिए आर्थिक मदद, जरूरतमंदों को मुफ्त एंबुलेंस सुविधा, कैंसर पीड़ितों की सहायता और गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग किए जाने की बात कही जाती रही है।

चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग: मॉक संसद में बोले राहुल–2024 का लोकसभा चुनाव अवैध

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध बताया है। शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर आयोजित मॉक पार्लियामेंट को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। राहुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को चेतावनी देते हुए कहा कि वे हमेशा बच नहीं पाएंगे और उन्हें जनता को जवाब देना होगा।

राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार एक व्यक्ति के रूप में अलग हैं और चुनाव आयोग जैसी संस्था के प्रमुख के तौर पर उनकी भूमिका अलग है। राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग और न्यायपालिका के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे रोकने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था। इसी वजह से विपक्ष को यह कदम उठाना पड़ा।

राहुल गांधी ने दावा किया कि एसआईआर के तहत 13 करोड़ से ज्यादा (करीब 15 फीसदी) मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह संख्या देश के हर सात में से एक व्यक्ति के बराबर है। राहुल के मुताबिक, इन लोगों ने पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान किया था।

राहुल गांधी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें बचा लेंगे, तो उन्हें देश के लोगों का मूड देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, वे इस बात को कभी नहीं भूलेंगे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह केवल भ्रष्टाचार या किसी घोटाले का मामला नहीं, बल्कि देश की आत्मा पर हमला है।

भाजपा नेता अभिषेक कुमार ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र: किसानों को फसलों का मुआवजा देने का आग्रह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री एवं साऊंघाट के ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने जनपद में 30 एवं 31 अक्टूबर को आए अर्नव चक्रवात के प्रभाव से तेज आंधी–तूफान और लगातार हो रही बारिश के कारण किसानों की धान की फसल को हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से भेजे पत्र में प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वेक्षण कराकर समुचित मुआवजा दिलाने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में भाजपा अभिषेक कुमार ने कहा कि जनपद में चक्रवात के प्रभाव से आई तेज आंधी और लगातार बारिश के कारण किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। कहीं खेतों में खड़ी धान की फसल जलमग्न हो गई है तो कहीं तेज हवा और बारिश के कारण फसल जमीन पर गिर गई है। इससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है और उन्हें आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत से फसल तैयार कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते हैं। ऐसे में प्राकृतिक आपदा के कारण फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों को इस कठिन परिस्थिति से उबारने के लिए सरकार की ओर से समय पर सहायता मिलना बेहद जरूरी है।

अभिषेक कुमार ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जनपद बस्ती में प्रभावित किसानों की धान की फसल का संबंधित अधिकारियों के माध्यम से तत्काल सर्वेक्षण कराया जाए। सर्वेक्षण में फसल क्षति का वास्तविक आकलन कराकर नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाया जाए, ताकि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

बस्ती के औषधि प्रयोगशाला में जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती मंडल के लोगों को खाद्य पदार्थों और दवाओं की गुणवत्ता जांच के लिए अब दूसरे जिलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री की परियोजना के तहत 20 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी क्षेत्रीय खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला में शनिवार से नमूनों की जांच शुरू हो गयी है।

शनिवार को धार्मिक अनुष्ठान और पूजा–पाठ के बाद सहायक आयुक्त (खाद्य), बस्ती मंडल ने फीता काटकर जांच का काम शुरू किया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब और बस्ती के मंडलायुक्त के प्रयासों से प्रयोगशाला शुरू हो सकी।

फिलहाल यहां बस्ती मंडल के तीन जिलों बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर से आने वाले नमूनों की जांच होगी। अब तक खाद्य पदार्थों के 26 और दवाओं के 12 नमूने जांच के लिए मिले हैं।

शुरुआती चरण में अलग–अलग खाद्यान्न, दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूनों की जांच शुरू की गई है। जल्द ही अन्य खाद्य उत्पादों की जांच भी शुरू होगी।

डीएम ने राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की दिलायी शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों–कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलायी। उन्होंने सभी को शपथ दिलायी कि राष्ट्र की एकता एवं अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगी।

उन्होंने सभी अधिकारियों–कर्मचारियों को देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने की सत्यनिष्ठा से संकल्प दिलायी। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों– कर्मचारियों के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एडीएम ज्ञान चन्द्र गुप्ता, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उप जिला अधिकारी उमाकान्त तिवारी, राजेश यादव, रश्मि यादव, कलेक्ट्रेट के वीरेन्द्र कुमार, प्रेम प्रकाश, सुरेन्द्र कुमार, सुदर्शन यादव, राजेश रंजन, धन्नजय सिंह सहित सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जेल से रिहा होते ही आजम खान गिरफ्तार, ईडी ने कस्टडी में लिया

रामपुर (आभा)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को ईडी ने रामपुर जेल से रिहा होते ही गिरफ्तार कर लिया है। बेटे अब्दुल्ला के साथ आजम जेल बाहर निकले। तभी ईडी ने उन्हें कस्टडी में ले लिया। दो पैनकार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को जमानत अर्जी मंजूर कर ली थी। हाईकोर्ट से जमानत के बाद आजम और अब्दुल्ला की ओर से एमपी–एमएलए सेशन और मजिस्ट्रेट कोर्ट में अलग–अलग मामलों में जमानती दाखिल किए थे, जिनके सत्यापन के आदेश अदालत ने पुलिस और राजस्व प्रशासन को दिए थे। पहले शुक्रवार को ही रिहाई की उम्मीद थी। लेकिन एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट से आजम खां के विचाराधीन पांच मुकदमों में रिहाई परवाने जारी कर दिए गए

लेकिन, एमपी–एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट से रिहाई परवाने जारी नहीं हो सके। जिसके चलते दोनों की रिहाई टल गई थी। लेकिन शनिवार को पूरी प्रक्रिया के बाद रामपुर जेल से आजम और अब्दुल्ला रिहा हो गए। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद से ही आजम समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। उनके स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई थी। लेकिन दोपहर का जश्न शाम होते–होते मायूसी में बदल गया था।

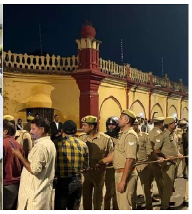

रामपुर जेल से बाहर आने पर आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारा सबसे बड़ा दुश्मन हमारा नाम है। जिसकी सजा हमें दी जा रही है। हमें जेल में सड़ाया जा रहा है। जब मुश्किल से जमानत पर बाहर आते हैं, तो फिर से अंदर कर दिया जाता है। ईडी की टीम आजम खान को गाड़ी में बैठा कर ले गई है। इस दौरान आजम समर्थकों ने हंगामा किया

सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत को टुकड़ों में बटने से बचाया–ऐश्वर्य राज सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह के नेतृत्व में देश के पहले गृहमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल को जयंती पर याद किया गया। कुंआनों तट के निकट स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि भारतीय इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ आजादी के बाद देश को एकजुट करने में उनका योगदान अतुलनीय रहा। आजादी के समय देश में बिखरी 550 से अधिक रियासतों का भारत में विलय कराकर उन्होंने अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया। उनके प्रयासों ने भारत को टुकड़ों में बंटने से बचाया और एक मजबूत, अखंड राष्ट्र की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई।

कहा कि सरदार पटेल ने कहा था कि कठिन समय में कायर व्यक्ति बहाना ढूंढते हैं, बहादुर व्यक्ति रास्ता खोजते हैं। ऐसे महापुरूष के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा।

कार्यक्रम में राधेश्याम चौधरी ,विवेक चौधरी कैप्टन दिनेश सिंह दीपक मिश्रा, सुनील पाण्डेय, कुमकुम भारती , अरुणेन्द्र पटेल बब्बू खान अतुल सिंह, रंजीत सिंह, इरफान अहमद ताहिर शेख, इन्द्र बहादुर यादव,पप्पू यादव ,शिवकुमार गौतम,शिव पटवा, बब्बू चौधरी आदि ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर नमन् किया।

समाजवादियों ने किया जयन्ती पर सरदार बल्लभ भाई पटेल और आचार्य नरेन्द्रदेव को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल और महान समाजवादी चिंतक, शिक्षाविद् और स्वतंत्रता सेनानी आचार्य नरेन्द्र देव की 137वीं जयंती को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने पटेल जी के जीवन वृत्त, योगदान पर प्रकाश डाला।

–महापुरूषों के जीवन से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी–ओंकारनाथ पटेल

मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव ओंकारनाथ पटेल ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की 562 रियासतों का विलय करके अखण्ड भारत के निर्माण के लिए जो योगदान दिया उसके लिये उन्हें सदैव याद किया जायेगा। कहा कि आचार्य नरेन्द्रदेव देश के महान समाजवादी चिंतकों, शिक्षाविदों और स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की आजादी, शिक्षा और समाजवादी विचारधारा के प्रचार– प्रसार के लिये समर्पितकिया।दोनों महापुरूषों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढने की आवश्यकता है।

सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि 1947 में भारत को आजादी तो मिली लेकिन बिखरी हुई। देश में कुल 562 रियासतें थीं। अपनी कूटनीतिक क्षमता के बल पर पटेल ने इन्हें भारत में मिला लिया। इनमें जूनागढ़ रियासत के नवाब ने 1947 में पाकिस्तान के साथ जाने का फैसला किया था। जबकि आचार्य नरेन्द्रदेव ने पूरा जीवन देश की आजादी, शिक्षा और समाजवादी विचारधारा के प्रचार–प्रसार के लिए समर्पित किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, समीर चौधरी, मो. स्वालेह, राम सिंह यादव, मो. सलीम, अरविन्द यादव, रन बहादुर यादव, गुलाब सोनकर, राजेश यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, सलाउद्दीन, चन्द्रिका यादव, गगन पाण्डेय, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, जावेद पिण्डारी आदि ने कहा कि आजकल जिस उम्र में बच्चे गेजुएट हो जाते हैं उस उम्र में सरदार बल्लभ भाई पटेल ने 10वीं की परीक्षा पास की थी। उनकी शिक्षा में सबसे ज्यादा रोड़े परिवार की आर्थिक तंगी ने अटकाए। इसके बावजूद उन्होंने जिलाधिकारी की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। सरदार पटेल वकालत पढ़ने के लिए इंग्लैंड गए वह भी 36 साल की उम्र में। शुरुआत में देर से पढ़ाई शुरू करने वाले सरदार पटेल ने 36 महीने के वकालत के कोर्स को महज 30 महीने में ही पूरा कर दिया। वे देश के महान नेता थे। वक्ताओं ने आचार्य नरेन्द्रदेव के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल और आचार्य नरेन्द्रदेव को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से घनश्याम यादव, रूम बहाल चौधरी, सुनील चौधरी, हिमांशु सिंह रानू, मो. सज्जू, तूफानी यादव, अंकित शुक्ला, अरविन्द सोनकर, युनूस आलम, नितराम चौधरी, संदीप चौधरी, डब्लू यादव, प्रशान्त यादव, जितेन्द्र यादव, पंकज यादव, राम स्वरूप पाल, मधुबन यादव, रामशंकर निराला, हनुमान चौधरी, विवेक यादव, मानसिंह यादव, इन्द्रजीत यादव, रविन्द्र यादव, जर्नादन यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि शामिल रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर पुरस्कृत हुये मेधावी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के 151 वीं जयन्ती पर शनिवार को सरदार पटेल स्मारक संस्थान परिसर में याद किया गया। सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को नमन किया।

बाद छत्रपति साहू जी सभागार में आयोजित गोष्ठी मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के पूर्व सदस्य डा. दशरथ चौधरी ने कहा कि किसान के बेटे के रूप में पटेल जी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी सुविधा की जगह देश के हितों को महत्व दिया। उन्होने 562 रियासतों को एकता के सूत्र में बांध कर भारत के स्वरूप को सशक्त बनाया। देश को आजाद कराने से लेकर गृह मंत्री के रूप में देश के निर्माण में उनके योगदान से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिये।

–सरदार पटेल ने सुविधा की जगह देश हित को महत्व दिया–डा. दशरथ चौधरी

गोष्ठी को डा. राकेश सिंह, इ. रघुनाथ पटेल, दीनानाथ चौधरी, इ. श्यामलाल चौधरी, डा. गिरजेश चौधरी, रजनीश पटेल, प्रभाकर पटेल, सत्यराम चौधरी, अमित कुमार वर्मा, फूलचन्द्र सिंह आदि ने पटेल जी से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये चौधरी धर्मदेव पटेल ने कहा कि सरदार पटेल ऐसे लौह पुरूष है जिन्होने अनगिनत रियासतों को भारत से जोड़कर देश के भूगोल को समृद्ध किया। संस्थान के अध्यक्ष डा. आर. पी. वर्मा, महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि पटेल जी का समग्र जीवन देश को समर्पित रहा, नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुये आगे बढना होगा। संचालन डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने किया।

आयोजन समित अध्यक्ष इ. विक्रम चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर सरदार पटेल स्मारक संस्थान की ओर से डा. रामजी वर्मा, सूरज चौधरी, अभिषेक पटेल को सरकारी सेवा में चयनित होने पर अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । छात्रावास के 5 मेधावी छात्रों अभिषेक चौधरी, अमन चौधरी, प्रशान्त चौधरी, दिव्यांश चौधरी, और मयंक चौधरी को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमित चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, रामजी चौधरी, रामकमल चौधरी, राजमणि चौधरी, रामकृपाल चौधरी, कमलेश कुमार चौधरी, भानु प्रताप चौधरी, राम शिरोमणि चौधरी, राकेश चौधरी, सुजीत चौधरी, रामअधार चौधरी, मस्तराम वर्मा, कृष्णनाथ चौधरी, तिलकराम चौधरी, राम बहादुर चौधरी, गुलाला चौधरी, नीरज चौधरी, मनोज कुमार चौधरी, सुभाष चौधरी, राम सुरेश चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, राधेश्याम चौधरी, ज्ञानदास चौधरी, रामनाथ चौधरी, राकेश सिंह, अशोक वर्मा, आज्ञाराम चौधरी, कमलेश चौधरी, डा. राजकिशोर वर्मा, रामरक्षा वर्मा, डा. बालकेश चौधरी, शैशव पटेल, राजेश पटेल, जनेश्वर चौधरी, संजय चौधरी, जितेन्द्र चौधरी, मनोज कुमार चौधरी, आशु चौधरी, अनन्त पटेल, शैलेष चौधरी, महेन्द्र चौधरी के साथ ही सरदार पटेल स्मारक संस्थान के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 नवम्बर 2026 रविवार

सम्पादकीय

नौकरी और चरित्र–प्रमाण पत्र

इसमें कोई दोराय नहीं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसक गतिविधियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। इसलिए अगर सरकार हिंसा की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से कोई पहल कर रही है, तो इसका आशय समझा जाना चाहिए। मगर इसके समांतर यह प्रश्न भी अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है कि हिंसा को न पनपने देने के सरकार के कदम अप्रत्यक्ष रूप से लोकतांत्रिक स्वरों को बाधित तो नहीं करेंगे! गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग–अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अभ्यर्थियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अहम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उतरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी।

नए नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे भी अयोग्य माना जाएगा। हालांकि, यह भी कहा गया है कि किसी व्यक्ति को सिर्फ उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर अपात्र घोषित नहीं किया जाएगा।

पिछले कुछ समय से दुनिया के कई देशों में सरकार के खिलाफ आम लोगों के प्रदर्शनों का जैसा स्वरूप देखा गया, उसमें जैसी हिंसा और अराजकता देखी गई, उसे विरोध का लोकतांत्रिक तरीका नहीं कहा जा सकता। ऐसे प्रदर्शनों से निपटना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर यह जरूरी नहीं है कि भारत में भी सरकार से असहमति जाहिर करने के लिए यहां के युवा वही तरीका अपनाएं। आमतौर पर हमारा देश लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखता है और इसी के अनुरूप सरकार के समर्थन या विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी राय अभिव्यक्त करता है।

ऐसे में हिंसा के विरुद्ध किसी राज्य सरकार की ओर से अलग से नए नियमों की घोषणा की जरूरत का संदर्भ समझना मुश्किल है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि हिंसा में स्पष्ट भागीदारी की अंतिम पुष्टि होने तक किसी को नौकरी के अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि इस मामले में सरकार के नए नियमों की व्याख्या कौन करेगा। आम जनता के आंदोलन में ‘हिंसा’ की परिभाषा किस आधार पर तय की जाएगी और यह कैसे सुनिश्चित होगा कि विरोध के किसी स्वरूप को सरकार ‘हिंसक’ घोषित नहीं करेगी? यों यह कोई पहला मामला नहीं है कि हिंसा के आधार पर नौकरी से वंचित करने का नियम लागू करने की कोशिश की जा रही है। वर्ष 2021 में बिहार में भी एक आदेश में कहा गया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा हुआ और उससे कानून–व्यवस्था की समस्या पैदा हुई, तो प्रदर्शन में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी से वंचित होना पड़ेगा।

तब इस संदर्भ में चरित्र प्रमाणपत्र निर्गत करने का भी निर्देश जारी हुआ था। सवाल है कि उत्तर प्रदेश में जारी नए नियमों का उद्देश्य वास्तव में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले आम लोगों या युवाओं को हिंसा से दूर रखना है या फिर इसके जरिए एक डर पैदा किया जाएगा, ताकि सरकार के खिलाफ असहमति के स्वर उभरने से पहले ही दब जाएं?

जिस दौर में बेरोजगारी पहले ही देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है, उसमें ऐसी शर्तों का वास्तविक असर क्या होगा? लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं हो सकती। मगर इसके लिए युवाओं को ‘सरकारी नौकरी से वंचित रखने’ का नियम बनाना पड़े, तो क्या उसे अभिव्यक्ति पर अंकुश की तरह नहीं देखा जाएगा और क्या यह लोकतंत्र के जीवन को प्रभावित नहीं करेगा?

चकवात और आपदा प्रबंधन

बंगाल की खाड़ी से उपजे चक्रवात अर्नब की वजह से आधे से ज्यादा भारत में मौसम बिगड़ा हुआ है। कहीं तेज हवाएं चल रही हैं, कहीं बादल छाए हुए हैं, तो कहीं बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने देश के करीब 14 राज्यों के लिए चेतावनी जारी कर रखी है। हालांकि, चक्रवात अर्नब का सर्वाधिक असर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सबसे ज्यादा दिखा है। ओडिशा सरकार ने पूरी तैयारी दिखाई है, तो वहां किसी की भी जान नहीं गई है, जबकि आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में कम से कम पांच लोगों की मौत की दुखद सूचना है। आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान एवं बारिश की वजह से करीब 15,000 बिजली के खंभे उखड़ गए हैं। वहां करीब 3.45 लाख किसान प्रभावित हुए हैं और 14 जिलों के 2,24,489 हेक्टेयर में खड़ी फसलें पानी में डूब गई हैं या खराब हो गई हैं। वैसे, ओडिशा और आंध्र प्रदेश सरकारों की तारीफ होनी चाहिए, इन्होंने समय रहते बचाव के इंतजाम किए हैं और हजारों गांवों को खाली करवाया है। वाकई, जान के नुकसान को कम से कम रखना सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ओडिशा में भारी बारिश के कारण अनेक जगह भूस्खलन हुआ है, सड़कें जलमग्न हुई हैं और पेड़ उखड़ गए हैं। इसके बावजूद वहां कोई हताहत नहीं हुआ है, तो इस कामयाबी से सीखने की जरूरत है। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, उससे तूफानों या चक्रवातों की संख्या बहुत बढ़ी तो नहीं है, लेकिन उनकी आक्रामकता बढ़ती जा रही है। ऐसे में, हमारे पास सावधान और तैयार रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। नीति के तहत पहले जनहानि को बचाना और उसके बाद अन्य प्रकार के नुकसानों को रोकने के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। यह भी एक बड़ी चिंता की बात है कि ऐसे चक्रवात आमतौर पर अप्रैल–मई में देखे जाते थे। क्या मौसम के साथ आपदाओं का चक्र भी बदल रहा है? आपदाएं पहले की तुलना में ज्यादा घातक हो रही हैं? हम यह देख पा रहे हैं कि भारत ही नहीं, विकसित देशों को भी आपदाओं का सामना करने में अब बहुत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ध्यान रहे, पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान की वजह से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जिससे समुद्री जल गर्म हो रहा है और वहां से उठने वाली आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है। यह अल नीनो वर्ष है और इसके दौरान महासागरीय बेसिन में उष्ण–कटिबंधीय चक्रवात कम बार आते हैं और उनकी तीव्रता भी कम होती है, लेकिन चक्रवात अर्नब ने इस आकलन को धता बता दिया है।

सनद रहे, अल नीनो वर्ष में भारी वर्षा, तूफान, चक्रवात, आगजनी, बाढ़ इत्यादि का खतरा ज्यादा मंडराएगा। संतोष की बात है कि हम इसके लिए बहुत हद तक तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसी आपदाओं के समय केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के साथ मिलकर हर मुमकिन प्रबंध करने चाहिए और ऐसे प्रबंधों के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। सराहनीय बात है कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल व राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों को समय रहते तैनात किया गया और प्रभावित राज्यों में बचाव व राहत अभियान युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। नुकसान का यथोचित आकलन करके मुआवजा देने की प्रक्रिया भी शुरू होनी चाहिए। आंध्र प्रदेश सरकार मृतकों के परिजन को पांच–पांच लाख रुपये दे रही है, लेकिन उसे अध्ययन करना चाहिए, चेतावनी के बावजूद पांच लोगों की मौत कैसे हुई? बचाव के इंतजाम कैसे अधूरे रह गए? आपदा प्रबंधन में दिखी कमियों को दोहराने से बचना होगा।

अखिलेश के पीडीए के खिलाफ शाह का यूसीसी दांव

–संजय सक्सेना–

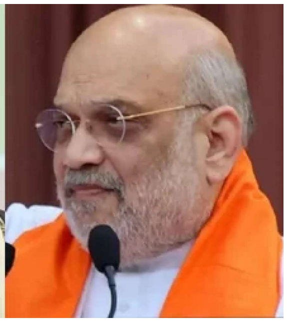

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पीडीए यानी दलित–पिछड़ा–अल्पसंख्यक की काट के लिए भारतीय जनता पार्टी यूसीसी मतलब समान नागरिक संहिता का मुद्दा लेकर आ गई है। इस बात का संकेत गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ दौरे के दौरान दिया। शाह ने दो टूक कहा कि उत्तर प्रदेश का 2027 विधानसभा चुनाव केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि वैचारिक मुद्दों, सामाजिक समीकरणों और विकास के दावों का बड़ा मुकाबला बनेगा। शाह ने लखनऊ में कार्यकर्ताओं के बीच कहा कि 2027 में तीसरी बार भाजपा सरकार बनते ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दिया जाएगा। ऐसा लगता है कि शाह यूसीसी के सहारे यूपी में चुनावी बहस का रुख बदलने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले करके उन्होंने कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया कि अब चुनावी तैयारी में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। राजनीति के जानकार कहते हैं कि शाह के यूसीसी लागू करने वाले बयान के पीछे एक बड़ा राजनीतिक एजेंडा छिपा है। सवाल यह भी है कि क्या भाजपा अपनी उपलब्धियों के भरोसे तीसरी बार सत्ता में लौटना चाहती है या 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले झटके ने उसे नए सिरे से रणनीति बनाने पर मजबूर कर दिया है? बहरहाल, सपा के पीडीए के खिलाफ शाह का यूसीसी का ऐलान भाजपा की चुनावी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। यूसीसी के सहारे भाजपा हिंदुत्व के एजेंडे को मजबूत करेगी, वहीं सपा प्रमुख के लिए यूसीसी का विरोध करना आसान नहीं होगा। उधर, यूपी में तीसरी बार सरकार बनने पर यूसीसी लागू करने वाले अमित शाह के बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने कहा, बड़ी देर कर दी मेहरबां आते–आते।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में यूसीसी लागू करने का वादा करके भाजपा ने अपने पुराने वैचारिक एजेंडे को फिर चुनाव के केंद्र में ला दिया है। एक तरफ शाह यूसीसी की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर शाह 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों का जिक्र करके कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा रहे हैं। 2017 में भाजपा ने 403 में से 312 सीटें हासिल की थीं और करीब 39.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 2022 में पार्टी की सीटें घटकर 255 रह गईं, लेकिन वोट प्रतिशत बढ़कर 41.29 हो गया। इन आंकड़ों से भाजपा की मजबूत चुनावी स्थिति जरूर दिखाई देती है, मगर 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस आत्मविश्वास को चुनौती दी। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और भाजपा ने 33 सीटें जीतीं। कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। यह नतीजा बताता है कि भाजपा के सामने विपक्ष की चुनौती वास्तविक है। सपा ने सामाजिक समीकरणों और गठबंधन की राजनीति के सहारे अपनी ताकत बढ़ाई है। इसीलिए शाह का कार्यकर्ताओं से आपसी नाराजगी भुलाकर मैदान में उतरने का आग्रह महत्वपूर्ण है। शायद समय रहते शाह को कार्यकर्ताओं की नाराजगी का अहसास हो गया है। उनका चुनाव से पहले संगठन की एकजुटता पर इतना जोर देना बताता है कि पार्टी बूथ स्तर पर किसी भी कमजोरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहती। टिकट की दावेदारी, स्थानीय नेताओं की खींचतान और जातीय समीकरण भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। 2024 ने दिखाया कि बड़े नेताओं की लोकप्रियता के बावजूद स्थानीय असंतोष चुनावी परिणाम बदल सकता है। भाजपा को अब केवल पुराने चुनावी आंकड़ों पर निर्भर रहने के बजाय जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करनी होगी।

योगी सरकार की कानून–व्यवस्था को शाह ने चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश की। उन्होंने अपराध में कमी और माफिया के खिलाफ कार्रवाई को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। सरकार के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2016 की तुलना में डकैती के मामलों में करीब 90 प्रतिशत और लूट में 84 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन कानून–व्यवस्था का मूल्यांकन केवल अपराध के प्रतिशत से नहीं हो सकता। महिलाओं की सुरक्षा, आम नागरिक की थाने में सुनवाई और अदालतों में न्याय मिलने की प्रक्रिया भी उतनी ही जरूरी है। बुलडोजर कार्रवाई राजनीतिक संदेश दे सकती है, लेकिन कानून का राज निष्पक्ष जांच और संवैधानिक प्रक्रिया से ही स्थापित होता है। निवेश के मोर्चे पर भी शाह ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों और 15 लाख करोड़ रुपये के जमीन पर उतरने का दावा किया। यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी संभावना है, लेकिन जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल रोजगार का है। कितनी परियोजनाएं वास्तव में शुरू हुईं और उनसे कितने युवाओं को नौकरी मिली? निवेश सम्मेलन में हुए समझौते तभी सार्थक हैं, जब वे उद्योग, उत्पादन और रोजगार में बदलें। उत्तर प्रदेश का युवा आज भी बेहतर अवसरों के लिए दूसरे राज्यों की ओर पलायन करता है। सरकार को यह साबित करना होगा कि निवेश के बड़े दावे आम परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी बदलाव ला रहे हैं।

इसके साथ ही शाह ने वोटरों को लुभाने के लिए गरीबी के सवाल पर केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। नीति आयोग के जनवरी 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 2013–14 से 2022–23 के बीच देश में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। उत्तर प्रदेश में यह संख्या करीब 5.94 करोड़ बताई गई। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन हकीकत यह भी है कि गरीबी से बाहर निकलना और स्थायी आर्थिक सुरक्षा हासिल करना दो अलग बातें हैं। महंगाई, किसानों की आय, बेरोजगारी और छोटे कारोबारियों की समस्याएं अभी भी चुनावी बहस का हिस्सा रहेंगी। इन सवालों का जवाब केवल आंकड़ों से नहीं, जमीन पर दिखाई देने वाले बदलावों से देना होगा। लब्बोलुआब यह है कि भाजपा 2027 की लड़ाई में यूसीसी, कानून–व्यवस्था और विकास को एक साथ लेकर चलना चाहती है। लेकिन सत्ता की तीसरी पारी का रास्ता केवल नारों और राजनीतिक हमलों से नहीं निकलेगा। अंगद के पांव की तरह सरकार अडिग होने का दावा करने वाले शाह को भी पता है कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है। भाजपा के सामने असली चुनौती यही है कि वह अपने वादों को जमीन पर उतारे और रोजगार, महंगाई, किसान तथा सामाजिक न्याय जैसे सवालों का ठोस जवाब दे। 2027 में चुनावी बिसात पर चालें सभी चलेंगे, लेकिन जीत उसी की होगी जो जनता का भरोसा कायम रख पाएगा।

चक्रवातों के साये में तटीय भारत का भविष्य

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

चक्रवात का असर सभी पर समान नहीं पड़ता। गरीब परिवार, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन परिवारों की आजीविका खेती, मछली पकड़ने या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना भी आसान नहीं होता। उन्हें अपनी संपत्ति, पशुओं और रोजगार की चिंता सताती है। चक्रवात के बाद मछली पकड़ने का काम बंद हो जाता है, खेतों में खारा पानी भर जाता है और छोटे कारोबार ठप पड़ जाते हैं। इससे प्रभावित परिवारों के सामने लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रहता है।

समुद्र जितना जीवनदायी है, उसका रौद्र रूप उतना ही विनाशकारी हो सकता है। भारत की करीब 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार, मत्स्य पालन और पर्यटन के लिए बेहद अहम है। लेकिन यही तटीय क्षेत्र हर साल चक्रवातों, समुद्री तूफानों, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा भी झेलते हैं। चक्रवात अर्नब ने एक बार फिर तटीय भारत की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि चक्रवात कब और कहां आएगा, बल्कि यह भी है कि उससे निपटने के लिए हमारी तैयारी कितनी मजबूत है। बदलते मौसम के दौर में अब आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने के बजाय पहले से नुकसान कम करने की रणनीति बनानी होगी।

चक्रवातों से निपटने में सबसे बड़ी चुनौती उनके बदलते स्वरूप और तीव्रता का अनुमान लगाना है। आधुनिक तकनीक और मौसम पूर्वानुमान में सुधार के बावजूद कई बार चक्रवात कम समय में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन के पास लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री जुटाने के लिए बहुत कम समय बचता है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें और नदियों में बाढ़ एक साथ तबाही मचा सकती हैं। जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है।

तटीय क्षेत्रों में कमजोर बुनियादी ढांचा भी बड़ी समस्या है। चक्रवात के दौरान बिजली के खंभे गिर जाते हैं, सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और संचार सेवाएं ठप पड़ जाती हैं। इससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित होते हैं। कई तटीय शहरों में अनियोजित निर्माण, जल निकासी की खराब व्यवस्था और निचले इलाकों में बस्तियों का विस्तार खतरे को बढ़ा रहा है। ऐसे में आपदा के समय लोगों को बचाने के साथ–साथ बिजली, पानी, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द बहाल करना भी बड़ी चुनौती बन जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की पूर्व चेतावनी प्रणाली पहले से बेहतर हुई है, लेकिन चुनौती अब भी यह है कि चेतावनी समय पर हर व्यक्ति तक पहुंचे। समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों, दूरदराज के गांवों और छोटे द्वीपों में रहने वाले लोगों तक सूचना पहुंचाना आसान नहीं है। कई बार लोग चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेते या घर और आजीविका छोड़ने के डर से सुरक्षित स्थानों पर जाने में देरी करते हैं। इसलिए केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को उसके खतरे और उससे बचने के उपायों के बारे में समझाना भी जरूरी है।

चक्रवात का असर सभी पर समान नहीं पड़ता। गरीब परिवार, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन परिवारों की आजीविका खेती, मछली पकड़ने या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना भी आसान नहीं होता। उन्हें अपनी संपत्ति, पशुओं और रोजगार की चिंता सताती है। चक्रवात के बाद मछली पकड़ने का काम बंद हो जाता है, खेतों में खारा पानी भर जाता है और छोटे कारोबार ठप पड़ जाते हैं। इससे प्रभावित परिवारों के सामने लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रहता है।

प्राकृतिक सुरक्षा कवच का कमजोर होना भी चिंता का विषय है। मैंग्रोव वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों का विनाश और समुद्र तटों पर बढ़ता निर्माण चक्रवातों के खतरे को बढ़ाते हैं। मैंग्रोव वन समुद्री लहरों की ताकत कम करने और तटीय इलाकों को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। तटीय क्षेत्रों में विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास भविष्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना होगा। मौसम विभाग की तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ उपग्रहों, डॉप्लर रडार और समुद्री निगरानी तंत्र का विस्तार जरूरी है। चेतावनी केवल मोबाइल संदेशों तक सीमित न रहे। सायरन, सामुदायिक रेडियो, स्थानीय प्रशासन और पंचायतों के माध्यम से भी सूचना लोगों तक पहुंचाई जाए। चेतावनी स्थानीय भाषा में हो और उसमें यह साफ बताया जाए कि लोगों को क्या करना है और कहां जाना है।

इसके साथ ही तटीय इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। चक्रवात आश्रयस्थलों की संख्या बढ़ाने, सुरक्षित निकासी मार्ग बनाने और अस्पतालों, बिजलीघरों तथा पेयजल व्यवस्था को आपदा के लिहाज से मजबूत करने की जरूरत है। आश्रयस्थलों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। नियमित मॉक ड्रिल से लोगों को आपदा के समय सही कदम उठाने का अभ्यास कराया जा सकता है।

आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी जरूरी है। पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, मछुआरा समितियों और युवाओं को आपदा प्रबंधन योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। स्कूलों में आपदा संबंधी जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाए। स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र के जोखिम की बेहतर जानकारी होती है। इसलिए उनकी भागीदारी से राहत और बचाव कार्य अधिक प्रभावी बनाए जा सकते हैं।प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर भी नुकसान कम किया जा सकता है। मैंग्रोव वनों, आर्द्रभूमियों और तटीय वनस्पतियों का संरक्षण किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण पर रोक लगे और तटीय विनियमन के नियमों का सख्ती से पालन हो। इसके अलावा मछुआरों, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए बीमा, आर्थिक सहायता और आजीविका पुनर्वास की व्यवस्था जरूरी है, ताकि आपदा के बाद वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें। चक्रवात अर्नब ने यह समझने का अवसर दिया है कि प्राकृतिक आपदाओं से पूरी तरह बचना संभव नहीं, लेकिन बेहतर तैयारी से उनके नुकसान को जरूर कम किया जा सकता है। भारत ने मौसम पूर्वानुमान और लोगों की निकासी के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन तटीय क्षेत्रों में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अब जरूरत राहत और बचाव तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जो आपदा से पहले ही नुकसान को कम कर सके। आखिरकार, सुरक्षित तट केवल मजबूत इमारतों से नहीं बनते, बल्कि जागरूक नागरिकों, जवाबदेह प्रशासन और संरक्षित पर्यावरण से बनते हैं।

कई सवाल छोड़ गया एमएलसी चुनाव!

– दीपक कुमार त्यागी–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट वाराणसी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के एमएलसी सीटों के इन चुनाव परिणामों के बाद अब पार्टी में ही संगठन की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर सवाल उठाने की गुपचुप सुगबुगाहट शुरू हो गई है। देश के चार राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक) की 28 विधान परिषद (एमएलसी) सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं, सभी राजनीतिक दल व विश्लेषक परिणामों का अध्ययन करके उसके अपने–अपने लाभ–हानि के हिसाब से मायने निकाल रहे हैं। लेकिन इस बार का यह चुनाव कई ऐसे सवाल छोड़ गया है जिनका जवाब राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों के साथ विशेषकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जल्द से जल्द तलाश ना होगा। क्योंकि भाजपा को अन्य दलों से अलग मानते हुए किसी व्यक्ति या परिवार की जागीर की जगह संगठन को सर्वोपरि मानने वाला राजनीतिक दल माना जाता है और वैसे भी अंदरूनी गुटबाजी से दूर अनुशासन वाली पार्टी मानने का दावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा हमेशा सार्वजनिक रूप भी किया जाता है। लेकिन एमएलसी के चुनावों के परिणामों पर गौर करें तो उत्तर प्रदेश की हॉट सीट वाराणसी, लखनऊ व महाराष्ट्र में नागपुर जैसी हाईप्रोफाइल सीट पर हारने के पीछे भाजपा के कुछ राजनेताओं की अति महत्वाकांक्षा व अनुशासन का तार–तार होना बहुत बड़ी वजह माना जा रहा है। पहले पार्टी के अधिकांश राजनेता व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए धरातल पर नजर आते थे, लेकिन लंबे समय से सत्ता का सुख लगातार भोगने के कारण अब पार्टी के कुछ राजनेताओं का अहंकार अपने चरम पर है और वह सत्ता के मद में चूर होकर के जनता को ठेंगा दिखाकर चिढ़ाते हुए पार्टी के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व तक के भी दिशा–निर्देशों की आये दिन अनदेखी करने का कार्य कर रहे हैं।

जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के दौर की भारतीय जनता पार्टी की पहचान एक ऐसे राजनीतिक दल के रूप में होती है, जिसके कार्यकर्ता व नेता किसी भी स्तर के चुनाव को हल्के में नहीं लेते हैं। लेकिन जिस तरह से उत्तर प्रदेश के एमएलसी चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन रहा है, उसने तो पार्टी के रणनीतिकारों को जीती हुई व हारी हुई सभी ही सीटों के परिणाम पर विस्तार से विश्लेषण करने के लिए सोचने पर मजबूर कर ही दिया है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव हैं, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को योगी सरकार के कार्यों के दम पर चुनावों में जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद है। जिस वक्त में यूपी के विधानसभा चुनाव सर पर हैं उस वक्त में पार्टी के शीर्ष रणनीतिकार एमएलसी चुनावों में हर सीट पर भाजपा प्रत्याशी की जीत का अंतर बढ़ाकर के विपक्षी दलों के जनता की अदालत से पैर उखाड़कर के भाजपा के पक्ष में माहौल बनाना चाहते थे। लेकिन सूत्रों के अनुसार लगातार मीटिंग व ईटिंग के बाद भी कुछ भाजपा नेताओं की ही चीटिंग के चलते भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का यह दांव जन अदालत में उल्टा हो गया है, जिसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को एमएलसी चुनावों की रणभूमि में कुछ सीटों पर हार के रूप में उठाना पड़ा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट वाराणसी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के एमएलसी सीटों के इन चुनाव परिणामों के बाद अब पार्टी में ही संगठन की रणनीति और प्रत्याशी चयन पर सवाल उठाने की गुपचुप सुगबुगाहट शुरू हो गई है। वहीं कुछ राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो हाईप्रोफाइल सीटों के साथ–साथ बाकी सीटों पर भी जीत का अंतर भाजपा के कुछ अपने ही लोगों का भीतरघात, दावेदारों व अन्य जिम्मेदार लोगों के द्वारा सही ढंग से वोट नहीं बनवाने, प्रत्याशी चयन पर सवाल, संगठन के द्वारा बनाई गई जीत की रणनीति और कुछ अपनों के ही द्वारा चुनाव में की गयी चीटिंग की चीख–चीखकर के स्वयं ही पोल खोलने का कार्य रही है।

सरदार पटेल की जयंती पर मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस, निकाली गई एकता दौड़

संवाददाता—श्रावस्ती। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती शनिवार को जिले भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में एकता, समरसता और विकास को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने किसानों, गरीबों और पिछड़े वर्गों को संगठित कर देश को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी के तहत एकता मार्च का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पटेल चौक दहाना से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ईदगाह तिराहे तक निकाली गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी इकौना रवि प्रताप सिंह, जमुनहा के उपजिलाधिकारी रावेन्द्र कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्रेया, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर दीक्षा अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

इसी तरह से पुलिस लाइन में देश की अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही रन फार यूनिटी का आयोजन किया गया। शपथ दिलाई गई कि मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिये स्वयं को समर्पित करूँगा और अपने देशवासियों के बीच यह सन्देश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूँगा।

मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा सम्भव बनाया जा सके। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूं। इसी तरह से एसएसबी की ओर से शपथ दिलाने के साथ ही साइकिल रैली निकाली गई।

अधिवक्ताओं ने निकाली बाइक रैली, बुलंद की आवाज

संवाददाता—महराजगंज। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्रा व महामंत्री प्रमोद त्रिपाठी के नेतृत्व में उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के साथ हुई घटना के विरोध तथा अधिवक्ताओं के प्रदेश व्यापी चार सूत्री मांगों के लिए अधिवक्ताओं ने हाथों में काला झंडा लेकर प्रदर्शन किया। सिविल कोर्ट से सक्सेना चौक तक बाइक रैली निकाली। रैली के दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मुख्यालय स्थित उनकी मूर्ति पर महामंत्री प्रमोद त्रिपाठी ने माल्यार्पण किया। महामंत्री प्रमोद त्रिपाठी ने अपनी मांगों पर बल देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं के उत्पीड़न पर रोक तथा प्रदेश व्यापी चार सूत्रीय मांगे जब तक पूरी नहीं हो जाती हैं, सिविल कोर्ट के अधिवक्ता प्रत्येक शनिवार को आंदोलित रहेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अधिवक्ता व स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को अंगीकार करते हुए अधिवक्ताओं के उत्पीड़न के विरोध में तथा अधिवक्ताओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए अधिवक्ताओं को अपना सर्वस्व निछावर करने का आह्वान किया है। बाइक रैली के बाद अधिवक्ताओं ने आम सभा की बैठक की।बाइक रैली व आमसभा में पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, देवेंद्र त्रिपाठी, अनूप सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, वकील प्रजापति, वशिष्ठ मिश्रा, संतोष पटेल, सुरेंद्र सिंह गांधी, महताब, अभिजीत सिंह, जमशेद आलम, गणेश प्रसाद, द्विजेन्द्र दूबे, हरेंद्र मिश्रा, कैलाश अग्निहोत्री, कौशल किशोर पांडेय, दयाराम चौधरी, आशीष शुक्ला, महेंद्र पांडेय, गिरिजेश मिश्रा, अरुण सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

ग्राम पंचायत अधिकारी निलंबित

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा ब्लॉक में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी ओमप्रकाश सिंह को निलंबित कर दिया गया है। उन पर विकास कार्यों में अनियमितता और शासनादेशों की अनदेखी का आरोप है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी प्रस्तावित की है। निलंबन आदेश के मुताबिक, पनियरा विकास खंड की आठ ग्राम पंचायतों में 15वें और पंचम वित्त आयोग की धनराशि से कराए गए कामों के भुगतान में अनियमितता का आरोप है। इनमें सोहास, ऋषपुर, धनघटी, खजुरिया, तेंदुहिया, सुभितपुर, मोहद्दीनपुर और कनैला शामिल हैं। आरोप है कि सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के भौतिक सत्यापन के बिना इन पंचायतों में कुल 70 लाख 40 हजार 868 रुपए का भुगतान किया गया। इसके अलावा डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायत सचिवालय और सामुदायिक शौचालय के अधूरे कामों को प्राथमिकता देने के शासनादेशों की अनदेखी का आरोप है। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कामों को प्राथमिकता देने के बजाय दूसरे काम कराए गए। जिला पंचायत राज अधिकारी ने ओमप्रकाश सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

सरदार पटेल की जयंती मनाई गई, कार्यक्रम में वक्ताओं ने देश की एकता में उनके योगदान को याद किया

संवाददाता—कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य डॉ. अक्षयवर पांडेय ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व क्षमता के बल पर देश की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया। आजादी के बाद देश की सैकड़ों रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कराना उनकी असाधारण नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, एकता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है। उन्होंने देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने उपस्थित लोगों से सरदार पटेल के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में आपसी भाईचारे, एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना चाहिए। इस दौरान चंद्र प्रकाश तिवारी, समीप राव, वीरेंद्र प्रताप शाही, मनंजय तिवारी, नंदा पांडेय, संजय मिश्रा, जयनाथ प्रसाद, नवी हसन, नम्रता मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लोकतंत्र बचाने के लिए सांप्रदायिक ताकतों को हराना होगा –सुभाषिनी

संवाददाता—गोण्डा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) नेत्री व पूर्व सांसद कामरेड सुभाषिनी अली ने कहा कि अगर देश और लोकतंत्र को बचाना है तो सांप्रदायिक और देश विरोधी ताकतों को हराना होगा। उन्होंने कहा कि आज की सांप्रदायिक राजनीति उग्र हिंदुत्व की वकालत करती है, जबकि इन्हें हिंदू धर्म और उसकी मान्यताओं से कोई मतलब नहीं है। उग्र हिंदुत्व एक राजनैतिक विचारधारा है जो पुनः शोषण और असमानता पर आधारित व्यवस्था कायम करना चाहती है। ये विचारधारा अल्पसंख्यकों के साथ साथ दलितों को भी अपना दुश्मन मानती है। इसी वजह से ये लोग डा भीमराव आंबेडकर के संविधान पर भी हमला करते हैं। वह शनिवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के 17 जिलों के जिला कमेटी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रही थीं।

शहर के बहराइच रोड स्थित निजी लॉन में प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मधु गर्ग व जरनैल सिंह ने किया। प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन सांप्रदायिक हिंदुत्व की राजनीति और जाति का प्रश्न के विषय पर पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य व पूर्व सांसद सुभाषिनी अली ने कहा कि प्रदायिकता का धर्म से कोई लेना देना नहीं है, यह एक राजनैतिक हथियार है। जिसका भारत को गुलाम बनाने रखने के लिए अंग्रेजों ने इस्तेमाल किया। आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग का गठन हुआ, उसके बाद हिंदू महासभा की स्थापना हुई, जिसमें सेकलुर कहने वाले कांग्रेस के शीर्ष नेता भी शामिल हुए थे। प्रशिक्षण शिविर के दूसरे सत्र को राज्य कमेटी सदस्य कामरेड रविशंकर मिश्र ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रेसवार्ता भी की। जिसमें कहा कि देश में साम्प्रदायिक ताकतों को मजबूत नहीं होने देना है। उन्हें इतना कमजोर करना है कि वह खुद ही सत्ता छोड़ कर चले जाएं। प्रशिक्षण शिविर में वीना गुप्ता, राजीव शांत, सुमन सिंह, वंदना राय, माया देवी, केके चतुर्वेदी, कौशलेंद्र पांडेय, अमित शुक्ला, आशीष सिंह, योगेंद्र वर्मा, कृष्ण कुमार मौर्य, विश्राम सिंह, अशोक कुमार, श्यामलाल शर्मा, कमलाकांत, जेबी यादव रहे।

फसल डूबी तो किसानों ने पुलिया खोलने की मांग को लेकर सड़क जाम की

संवाददाता—देवरिया। जल निकासी की समस्या को लेकर शनिवार को किसानों ने महुआनी चौराहे पर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। साथ ही अवैध रूप से बंद महुआनी–सोनूघाट मार्ग पर बने पुलिया को खोलने की मांग करने लगे। लगभग दो घंटे बाद पहुंचे तहसीलदार, नायब तहसीलदार व ईओ नगर पालिका ने पुलिया खुलवाने का आश्वासन दिया। उसके बाद किसान सड़क से हटे। दोपहर बाद जेसीबी लगाकर एक नाले को प्रशासन ने खोलवा दिया। इससे जल निकासी की समस्या से कुछ किसानों को राहत मिल गई। पगरा उर्फ परसिया के सभासद बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में पगरा उर्फ परसिया, तिवारी टोला, पकड़ी, जटमलपुर, रामपुर खुर्द, धूस समेत विभिन्न जगहों के किसान महुआनी चौराहे पर सड़क पर उतर गए और मुख्य मार्ग जाम कर दिया। साथ ही प्रदर्शन करने लगे। उनका कहना था कि महुआनी–सोनूघाट मार्ग पर

एक पुलिया बनी है, जिससे पानी का बहाव होता है। कुछ दबंग लोगों ने उसे अवैध रूप से बंद कर दिया है। जिसके चलते जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई है। बारिश होने के चलते पानी भर गया है और खेतों में धान की फसल खराब होने लगी है। जिला प्रशासन को इससे संबंधित शिकायत की गई थी, लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में हम किसान परेशान हैं और हमारी गाढ़ी कमाई बर्बाद हो रही है। जब तक इसका उपाय नहीं किया जाएगा, तब तक हम लोग सड़क से नहीं हटेंगे। सूचना मिलने पर तहसीलदार अलका सिंह, नायब तहसीलदार शिवेंद्र कौंडिल्य, नगर पालिका के ईओ संजय कुमार तिवारी भी पहुंचे और जल्द ही समस्या का समाधान करा देने का आश्वासन दिया। उसके बाद किसान सड़क से हटे। तहसीलदार ने बताया कि जल निकासी की समस्या को देखते हुए जेसीबी लगाकर नाले को खुलवा दिया गया है। इस दौरान बबलू यादव, राजेश यादव, द्वारिका यादव, पलटू तिवारी, दुलारे चौरसिया, अनमोल जायसवाल, विपिन नाथ तिवारी, अजीत तिवारी, मिथिलेश तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

16 से शुरू होगी स्व–गणना, हर गांव में बनेगी हेल्प डेस्क

संवाददाता—महराजगंज। जनगणना–2027 के दूसरे चरण के तहत जिले में आगामी 16 नवंबर से स्व–गणना की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके लिए जिले के प्रत्येक गांव में हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम गौरव सिंह सोगरवाल, सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह व जिला जनगणना अधिकारी/एडीएम डॉ. प्रशांत कुमार ने संवाद करते हुए जनगणना की बारीकियों व नियमों की जानकारी दी। जनगणना को लेकर डीएम ने बताया कि एक दिसंबर से चार जनवरी तक प्रगणक घर–घर पहुंच जनगणना करेंगे। इसके पहले 6 नवंबर से 30 नवंबर तक स्वगणना होगी। इसके लिए कोई भी नागरिक एसई डॉट सेंसस डॉट जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर लॉगिन कर अपना व परिवार का स्वगणना ऑनलाइन कर सकता है। डीएम ने बताया कि जनगणना से राष्ट्रीयता का कोई संबंध नहीं है। बेघर लोगों की भी गणना होगी। डीएम ने जनसंख्या गणना के नियमों के तहत बताया कि यदि किसी परिवार में कोई घरेलू नौकर या कर्मचारी रहता है और उसका खाना भी परिवार के ही किचेन में बनता है तो उसकी गणना उसी परिवार में की जाएगी। इसके अलावा समाज के बेघर व आश्रयहीन लोगों को गणना में शामिल करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। बेघर लोगों की गणना चार जनवरी 2027 को शाम छह बजे से शुरू की जाएगी। इसके पहले वर्ग चिह्नित कर लेंगे कि बेघर लोग शाम को कहां ठहरते हैं। वहीं जाकर गणना करेंगे। जिले के जिन दूरदराज ऐसे क्षेत्र जहां मोबाइल नेटवर्क की समस्या है ऐसे शैडो जोन वाले गांवों को चिह्नित कर वहां स्व–गणना व डिजिटल डेटा एंट्री के लिए अलग से विशेष तकनीकी व्यवस्था बनाई जाएगी। वहीं भारत–नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल के कैंपों में सुरक्षा कारणों से बाहर के प्रगणक नहीं जाएंगे, बल्कि कैंप के भीतर मौजूद नामांकित कर्मी ही अपनी जनगणना का कार्य पूरा करेंगे। जेल में भी जनगणना होगी। डीएम ने बताया कि जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई कोई भी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस डेटा का उपयोग किसी भी न्यायालय या कानूनी कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकेगा। यहां तक कि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत भी जनगणना से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक नहीं की जाएंगी। डीएम ने कहा कि 16 नवंबर से 30 नवंबर तक चलने वाले जनगणना में हर दिन के लिए प्लान बनाया गया है। इसमें पहले दिन रेवेन्य, एडमिनिस्ट्रेशन, एमपी, एमएलए, एमएलसी, दूसरे दिन लोकल गवर्नेंस व रूरल डेवलपमेंट से जुड़े लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी तरह एजुकेशन सेक्टर, हेल्थ सेक्टर, ट्रांसपोर्ट, उद्योग, बाजार आदि में जाकर लोगों का स्वगणना कराया जाएगा। डीएम ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार है। यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि आपके गांव, शहर और जिले के विकास की रूपरेखा तय करने का मुख्य जरिया है। इसी डेटा के आधार पर सरकार भविष्य की नीतियां, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, और जनकल्याणकारी योजनाओं का खाका तैयार करती है। इसीलिए सही व सटीक जानकारी दें। दी गई हर एक जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और इस राष्ट्रीय कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दें।

डीएल व फिटनेस में धांधली का आरोप लगा दूसरे दिन भी गरजे वकील

संवाददाता—महराजगंज। जिले में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और नवीनीकरण की प्रक्रिया में कथित अनियमितता तथा अवैध वसूली के आरोप के मामले ने तूल पकड़ लिया है। एआरटीओ कार्यालय में काम कराने वाले वकीलों ने दूसरे दिन शनिवार को भी गड़बड़ी की जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एआरटीओ कार्यालय और ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (डीटीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ड्राइविंग लाइसेंस के टेस्ट और फाइलों के नाम पर तथाकथित बिचौलियों के माध्यम से आवेदकों से वसूली का आरोप लगाया है। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि पहले ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित टेस्ट महराजगंज के एआरटीओ कार्यालय में कराए जाते थे। लेकिन एक जुलाई 2026 से लाइसेंस नवीनीकरण, ट्रांसपोर्ट लाइसेंस और स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के टेस्ट की व्यवस्था डीटीआई को दिया गया है। आरोप है कि डीटीआई में फाइल और टेस्ट फीस जमा कराने के बाद भी टेस्ट पास करने की प्रक्रिया आरआई की लॉगिन से पूरी की जा रही है। वकीलों ने पूछा है कि जब टेस्ट पास करने की कार्रवाई आरआई की लॉगिन से हो रही है तो डीटीआई की भूमिका क्या है? आवेदकों से किस मद में शुल्क लिया जा रहा है?

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि डीटीआई की ओर से ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित विभिन्न सेवाओं और टेस्ट के लिए निर्धारित शुल्कों की स्पष्ट सूची उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इससे आवेदकों को वास्तविक शुल्क की जानकारी नहीं हो पा रही है। मांग की है कि यह स्पष्ट किया जाए कि टेस्ट लेने, उसका परिणाम दर्ज करने और अभ्यर्थी को पास घोषित करने का अधिकार किसके पास है? इस दौरान अधिवक्ता अकबर अली, संतोष गुप्ता, दुर्गेश श्रीवास्तव, जुगुल किशोर पटेल, अमित यादव, आशीष गुप्ता, नरसिंह यादव, धनंजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर करें निस्तारण –डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, महिला कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन, लंबित आवेदनों और पात्र लाभार्थियों को मिल रहे लाभ की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, शादी अनुदान, वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना तथा अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित योजनाओं की प्रगति जानी। उन्होंने लंबित आवेदनों और आधार जोड़ने के कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत अधिकारियों को विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित करने को कहा।दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएं, चिकित्सा सेवाएं तथा उनके अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। महिला कल्याण विभाग को निराश्रित महिला पेंशन और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र लाभार्थियों के आवेदनों का शत–प्रतिशत निस्तारण कर उनके खातों में धनराशि भेजने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों की विभागवार समीक्षा और समयबद्ध निस्तारण का विवरण अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पात्रों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरनाथ यति, जिला प्रोबेशन अधिकारी मो मुमताज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी ने पटेल और नरेंद्र देव की जयंती मनाई

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव अर्जुन सिंह के कार्यालय में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल और आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने दोनों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया कार्यक्रम में अर्जुन सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता मजबूत करने में भूमिका निभाई। आचार्य नरेंद्र देव ने समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ शिक्षा और सामाजिक बदलाव के क्षेत्र में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं। अर्जुन सिंह ने कहा कि महापुरुषों के संघर्ष, विचार और आदर्श नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में समानता, एकता और भाईचारे की भावना मजबूत की जा सकती है। इस मौके पर राजकुमार बारी ने आचार्य नरेंद्र देव के व्यक्तित्व और काम के बारे में बताया। कार्यक्रम में संजय सिंह, राजाराम साहनी, ब्रह्मानंद साहनी, सचिन राजभर, राजेंद्र सिंह, ज्ञानेश्वर सिंह, अमर हरिजन, कमलेश सिंह, ऋतिक जायसवाल, मिंटू पासवान, ध्यान प्रसाद, समीर भारती, उपेंद्र सिंह और श्रीराम चौहान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह योजना में 181 जोड़ों की शादी

संवाददाता—देवरिया। पथरदेवा विकासखंड स्थित आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 181 जोड़ों की शादी कराई गई। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला। इसमें 170 हिंदू और 11 मुस्लिम जोड़े शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने नवदंपतियों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। गायत्री परिवार की परंपरा के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार और गायत्री मंत्र के साथ शादी की रस्में पूरी कराई गई। गायत्री शक्तिपीठ देवरिया के आचार्य दिनेश्वर और आचार्य ओमप्रकाश संत जी महाराज ने मंत्रोच्चार कराया। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर कुमार पांडेय के अनुसार, योजना के तहत हर जोड़े पर कुल एक लाख रुपये खर्च किए गए। इसमें 64 हजार रुपये विवाहिता के खाते में भेजे जाते हैं और 21 हजार रुपये की गृहस्थी की सामग्री दी जाती है। बाकी 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च होते हैं। योजना का लाभ सभी वर्गों के उन गरीब परिवारों को दिया जाता है, जिनकी सालाना आय तीन लाख रुपये तक है। कार्यक्रम में बीडीओ संतोष कुमार, ब्लॉक प्रमुख सुब्रत शाही, तरकुलवा ब्लॉक प्रमुख रामाशीष गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष जनार्दन कुशवाहा, रामाशीष प्रसाद, रवींद्र सिंह कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष हरीश शाही, संजय सिंह, भीम यादव, विवेक राय, रंजन श्रीवास्तव, जीवन पति त्रिपाठी और मनोज भारती सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कार्यशाला हुई

संवाददाता—गोण्डा। सीएमओ कार्यालय सभागार में शनिवार को एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण–सह–संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल पटेल ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में समुदाय आधारित एचआईवी के रोकथाम पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर उमेश रौत्रे नेशनल टीम, नीरज श्रीवास्तव कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफिसर तथा दिशा टीम से सीपीएम विजय कांत शुक्ला ने प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को एचआईवी एण्ड एड्स एक्ट के प्रमुख कानूनी प्रावधानों, एचआईवी से संबंधित भेदभाव की रोकथाम तथा अधिकार–आधारित दृष्टिकोण के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी एवं सहभागी बनाने के लिए केस स्टडी, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा एवं व्यावहारिक गतिविधियों का उपयोग किया गया, जिससे प्रतिभागियों को जिला स्तर पर एचआईवी सेवाओं के प्रबंधन एवं समन्वय की बेहतर समझ विकसित करने में सहायता मिली। इस दौरान बाबू ईश्वर शरण अस्पताल के सीएमएस डा अनिल तिवारी, डिप्टी सीएमओ डा मुइनुद्दीन चिश्ती, जिला क्षय रोग अधिकारी व एसीएमओ डॉ. आदित्य वर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. अमित भारती, एसीएमओ आरसीएच डॉ. सीके वर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. जय प्रकाश, एसीएमओ डॉ. संतोष राना, डीपीसी विवेक सरन, डीपीसीटी टीबी समन्वयक अरविंद मिश्र आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती धूम धाम से मनाई गई

संवाददाता—बलरामपुर। पायनियर पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में 31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस मौके पर छात्रों ने भाषण दिए और कला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक डॉ. एम.पी. तिवारी, उप प्रधानाचार्य शिखा पांडेय और राघवेंद्र त्रिपाठी ने पटेल के चित्र पर माला चढ़ाई और दीप जलाया। कोषाध्यक्ष मीता तिवारी, प्रबंधक इंजीनियर आकाश तिवारी, निदेशक प्रकृति तिवारी और शिक्षक–शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे। प्रबंध निदेशक ने छात्रों को बताया कि पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम झवेरभाई और मां का नाम लाडबा देवी था। उन्होंने बताया कि पटेल स्वतंत्रता सेनानी थे और आजादी के बाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने लंदन से बैरिस्टर की पढ़ाई की और अहमदाबाद में वकालत शुरू की। महात्मा गांधी से प्रेरित होकर वे स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए। पटेल की जयंती को देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण उन्हें 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। कार्यक्रम में आयुष तिवारी, साक्षी शुक्ला और गरिमा चौधरी ने पटेल के जीवन पर भाषण दिए। श्रेयसी, दानिया, सिमर, अनुकृति, उन्नति, अंशिका, याशमीन, ऋचा और अनुष्का ने कला का प्रदर्शन किया।

दीपोत्सव में 2100 ड्रोन से आसमान में जीवंत होगी रामायण की गाथा, दिखाए जाएंगे कई प्रसंग

संवाददाता—अयोध्या। दीपोत्सव—2026 के दौरान दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी का आसमान इस बार भी अद्भुत दृश्य का साक्षी बनेगा। दीपावली की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव—2026 में पर्यटन विभाग की ओर से भव्य एरियल ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। अयोध्या में 07 नवंबर को जब दीपों की रोशनी से सरयू तट जगमगाएगा, तब आसमान में भी रोशनी का एक भव्य उत्सव देखने को मिलेगा। दीपोत्सव—2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस बार नए कलेवर में एरियल ड्रोन शो प्रस्तुत करेगा। इसमें राम दरबार, पुष्पक विमान और रामायण के प्रमुख प्रसंग आसमान में जीवंत होते नजर आएंगे। मेड इन इंडिया तकनीक से निर्मित 2,100 ड्रोन 07 और 08 नवंबर को अयोध्या के आसमान में उड़ान भरेंगे। करीब 15 मिनट तक चलने वाले इस शो में कम से कम 15 अलग—अलग ड्रोन फॉर्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें आधे से अधिक फॉर्मेशन पिछले वर्ष की प्रस्तुति से अलग और नए होंगे। इस तरह श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लगातार दो शाम इस भव्य नजारे को देखने का अवसर मिलेगा। इस बार एरियल ड्रोन शो में भी नवीनता पर खास जोर रहेगा। पर्यटन विभाग

के निर्देश पर स्टोरीबोर्ड, स्क्रिप्ट, संगीत और वॉयस ओवर से लेकर आसमान में बनने वाली ड्रोन आकृतियों तक को पहले से अलग रखा जाएगा। कम से कम 15 विशेष ड्रोन फॉर्मेशन तैयार किए जाएंगे। इनमें करीब आधे से अधिक आकृतियां पिछले दीपोत्सव में दिखाए गए फॉर्मेशन से पूरी तरह नई होंगी। यानी इस बार रामनगरी के आकाश में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को हर बार से अलग दृश्य देखने को मिलेंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष अयोध्या के दीपोत्सव को नई भव्यता देने का प्रयास किया जाता रहा है। इस बार भी एरियल ड्रोन शो में रामायण के प्रमुख पात्रों और कथा प्रसंगों को आकर्षक दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। अयोध्या के आसमान में 2,100 ड्रोन से बने फॉर्मेशन के जरिए वीर मुद्रा में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान, रावण वध, पुष्पक विमान, दीपोत्सव, राम दरबार, हनुमान, महर्षि वाल्मीकि और गोस्वामी तुलसीदास जैसे प्रसंग जीवंत होंगे। इसके साथ राम मंदिर, दीपोत्सव, उत्तर प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग के लोगो भी आकाश में प्रदर्शित किए जाएंगे। संगीत, रोशनी और विभिन्न दृश्यात्मक प्रभावों का तालमेल शो को भव्य रूप देगा। दीपोत्सव—2026 के ड्रोन शो को और आकर्षक बनाने में वॉयस ओवर और संगीतमय नैरेशन का विशेष समायोजन देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने ड्रोन शो की लोकप्रियता को देखते हुए हर वर्ष इसकी भव्यता बढ़ाने पर जोर दिया है। दीपोत्सव—2024 में 500 और दीपोत्सव—2025 में 1100 ड्रोन के जरिए एरियल शो आयोजित किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस वर्ष ड्रोन की संख्या बढ़ाकर 2,100 कर दी गई है, जिससे आसमान में पहले से अधिक भव्य और आकर्षक दृश्य साकार होंगे।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि दीपोत्सव—2026 में तकनीक और परंपरा का अद्भुत समन्वय देखने को मिलेगा। 2100 स्वदेश निर्मित ड्रोन के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को आकाश में जीवंत करना एक प्रयास है।

हत्या कर शव गायब करने का आरोप झूठा निकला, 73 दिन बाद जिंदा मिली महिला

संवाददाता—संतकबीरनगर। धनघटा में जिस महिला की हत्या कर शव गायब करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था, वह 73 दिन बाद जीवित मिल गई। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला के भाई ने पारिवारिक विवाद के चलते पति और ससुराल वालों को फंसाने के लिए झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। धनघटा क्षेत्र के तेजपुर गांव निवासी विनय उर्फ बबलू कुमार ने कोर्ट में तहरीर देकर अपनी बहन रिंकू की हत्या किए जाने और शव गायब करने का आरोप लगाया था। उसने बताया था कि रिंकू की करीब चार साल पहले गांव के देवेंद्र राव से शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल वाले उसे परेशान करने लगे थे। विनय के मुताबिक, वर्ष 2024 में रिंकू ने पति देवेंद्र और ससुराल वालों के खिलाफ धनघटा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। कुछ दिन तक सब ठीक रहा, लेकिन बाद में फिर विवाद शुरू हो गया।

आरोप था कि पति देवेंद्र, ससुर नागेंद्र राव, सास बिंद्रावती, देवर चित्रसेन और बछईपुर निवासी संतोष ने रिंकू के साथ मारपीट की और घर छोड़ने का दबाव बनाया।

तहरीर में आरोप लगाया गया था कि करीब 8—9 महीने पहले रिंकू के साथ गाली—गलौज और मारपीट की गई थी। शोर सुनकर परिवार और गांव के लोग पहुंचे तो बीच—बचाव हुआ। आरोप था कि ससुराल वालों ने सबके सामने जान से मारने की धमकी दी थी। इसके चार—पांच दिन बाद से रिंकू का पता नहीं चल रहा था। भाई ने पति के विदेश भागने और ससुराल वालों द्वारा बहन की हत्या किए जाने की आशंका जताई थी। पुलिस ने मामले की जांच के लिए सर्विलांस और तकनीकी मदद ली। जांच में महिला के जीवित मिलने के बाद हत्या और शव गायब करने का आरोप झूठा निकला। पुलिस अब हत्या का मुकदमा खत्म करने की कार्रवाई करेगी। वहीं, झूठा मुकदमा दर्ज कराने के आरोप में महिला के भाई विनय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 के तहत कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल की जाएगी।

सरदार वल्लभभाई पटेल महानगर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता—गोरखपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई द्वारा महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता के नेतृत्व में गोलघर स्थित काली मंदिर परिसर में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान, अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयासों का स्मरण किया। इस दौरान महानगर महामंत्री अच्युतानंद शाही, मनोज अग्रहरि, संतोष शुक्ला, मनीष जैन, अमृत लाल भारती,श्वेता श्रीवास्तव, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष प्रीति शाही, मंत्री प्रेमनाथ शुक्ला, आनंद अग्रहरि, सिद्धांतो घोष, विक्की, संतोष राजभर,कुकरेजा, पार्षद मनीष जायसवाल, रितेश सिंह बब्बू, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, प्रदीप निषाद, पार्षद मनोज निषाद, जिला मीडिया प्रभारी राहुल साहनी समेत अन्य उपस्थित रहे।

सरदार पटेल देशहित में निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा —अजय जैन

संवाददाता—गोरखपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती शनिवार को नगर निगम सभाकक्ष में उल्लास के साथ मनाई गई। नगर आयुक्त अजय जैन के नेतृत्व में निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली। नगर आयुक्त अजय जैन ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श सभी को देशहित में पूरी निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में समस्त अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, अतुल कुमार, प्रमोद कुमार, सहायक नगर आयुक्त अविनाश प्रताप सिंह, सुरेंद्र सिंह, मुख्य अभियंता अमित शर्मा, अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी, अमरनाथ समेत निगम के प्रमुख अधिकारी, कर्मचारी और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगर आयुक्त अजय जैन ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नगर आयुक्त ने सरदार पटेल के जीवन मूल्यों, दूरदर्शी नेतृत्व और देश के एकीकरण में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। समारोह के बाद नगर निगम की आईईसी टीम ने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के संदेश के साथ जनजागरूकता रैली निकाली। रैली महानगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और इसके दौरान नागरिकों को देश की एकता व आपसी भाईचारे का संदेश दिया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया। नागरिकों से पॉलीथिन का उपयोग न करने, अपने आसपास की सफाई रखने और गोरखपुर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में सहयोग देने की अपील की गई।

नए एसआईसी बोले- मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए प्रतिबद्ध

संवाददाता—गोरखपुर। जिला अस्पताल के नए प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक (एसआईसी) के रूप में डॉ. संजय कुमार वर्मा ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले वे मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रहे। कार्यवाहक एसआईसी डॉ. आरडी रमन ने उन्हें कार्यभार सौंपा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. वर्मा ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। डॉ. वर्मा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता मरीजों को बेहतर इलाज, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना होगी। इसके लिए अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान डॉ. आरपी गौतम, डॉ. आरबी यादव, डॉ. मुकुल द्विवेदी, डॉ. बीके सुमन, डॉ. राजेश, डॉ. दुर्गेश कुमार, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. नवीन कुमार वर्मा, डॉ. प्रशांत अस्थाना, डॉ. पीके त्रिपाठी, चीफ फार्मासिस्ट अरविंद सिंह आदि मौजूद रहे। नए एसआईसी ने एडी हेल्थ से शिष्टाचार मुलाकात भी की।

गीडा में बनेगा कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र

संवाददाता—गोरखपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गोरखपुर को बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के लोक भवन में 'सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना' का शुभारंभ किया, जिसके तहत गीडा क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र विकसित किया जाएगा।

लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण गोरखपुर के विभिन्न राजकीय व निजी आईटीआई, पॉलिटेक्निक और व्यावसायिक शिक्षा केंद्रों में किया गया। आईटीआई गीडा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गीडा विशाल कुमार, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी रामप्रकाश, उपायुक्त उद्योग उज्ज्वल सिंह, आईटीआई गीडा के डॉ एन के सिंह सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। विशाल कुमार का कहना है कि यह केंद्र गोरखपुर के युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप दक्ष बनाने, स्थानीय औद्योगिक विकास को गति देने और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करना और उन्हें रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। गीडा केंद्र के माध्यम से जनपद के युवाओं को इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक, उन्नत विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और लॉजिस्टिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। योजना में प्रदेश में नौ जोनों के माध्यम से हब—एंड—स्पोक मॉडल पर व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे प्रशिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच समन्वय बनेगा, जिससे युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन और नियुक्ति के अवसर मिल सकेंगे।

एसडीएम ने सुलझाया मेंहदावल रेलवे अंडरपास विवाद, ग्रामीणों की आपत्ति के बाद शुरू हुआ काम

संवाददाता—संतकबीरनगर। बेलहर ब्लाक के लंगड़ावार गांव में रेलवे अंडरपास निर्माण को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद शांतिपूर्ण तरीके से निपट गया। ग्रामीणों की आपत्ति के बाद मौके पर पहुंची मेंहदावल एसडीएम क्षिप्रा पाल ने राजस्वकर्मियों के साथ ग्रामीणों से संवाद कर मामले का निस्तारण कराया। अब तय डीपीआर के अनुसार कार्य प्रारंभ हो गया है और सभी पक्ष सहमत हैं। जानकारी के अनुसार, गांव में रेलवे का अंडरपास बनाया जाना है। निर्माण के दौरान कुछ लोगों द्वारा अवरोध उत्पन्न किया जा रहा था। ग्रामीणों को निर्माण स्थल और रास्ता बाधित होने को लेकर कुछ शंकाएं थीं। इसकी जानकारी रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रशासन को दी गई।

मामला संज्ञान में आते ही एसडीएम क्षिप्रा पाल राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर उनकी आपत्तियों को सुना और रेलवे परियोजना के महत्व को समझाया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि कार्य मनमाने तरीके से नहीं, बल्कि स्वीकृत डीपीआर के अनुसार ही कराया जाएगा। इससे किसी भी किसान या ग्रामीण का अहित नहीं होगा। प्रशासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीण संतुष्ट हो गए और निर्माण कार्य के लिए सहमति दे दी। मौके पर ही शांतिपूर्ण माहौल में वार्ता संपन्न हुई और रेलवे के अधिकारियों को कार्य शुरू कराने की अनुमति दी गई। एसडीएम ने बताया कि अंडरपास बनने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या से भी निजात मिलेगी। प्रशासन ने भी ग्रामीणों से अपील की है कि विकास कार्यों में सहयोग बनाए रखें।

जयंती पर याद किए गए सरदार पटेल, हुए विविध कार्यक्रम

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार, सभी तहसीलों, सरकारी कार्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में विविध प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालयों में बच्चों को सरदार पटेल के कार्यों से अवगत कराया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएम ईशा प्रिया ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ दिलाई। डीएम ने कहा कि सरदार पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प उनकी पहचान थी।

उनके विचार आज भी देश की अखंडता को सुदृढ़ रखने की प्रेरणा देते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ स्थित पटेल पार्क में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का जनपद के विभिन्न कार्यालयों में सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। इसके अतिरिक्त,

जनपद की समस्त तहसीलों में विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में माल्यार्पण व शपथ ग्रहण हुआ। वहीं एसपी प्राची सिंह के निर्देशन में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस द्वारा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त करते शपथ ग्रहण किया गया। जिले के सभी पुलिस कार्यालयों और थानों पर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक स्वर में राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इसके साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा समाज में आपसी भाईचारा को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। दूसरी तरफ जन शिक्षण संस्थान के कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संस्थान निदेशक अरुण कुमार शाही ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस दौरान चेतन सक्सेना, शंभू लाल मौर्य, राकेश कुमार, शैलेश विश्वकर्मा, सूर्यपाल व अनुदेशिका शशिप्रभा उपस्थित रहीं। नगर के डॉ अशोक स्मारक इंटर कॉलेज, डिवाइन पब्लिक स्कूल, राज मानटेसरी स्कूल कटेहरी, विन्देश्वरी महा विद्यालय व आदर्श मॉन्टेसरी स्कूल में भी सरदार पटेल को याद किया गया। बच्चों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया।

जिला—प्रखंड समितियां पूर्ण कर संगठन मजबूत बनाएं —दीपेश

संवाददाता—गोरखपुर। विश्व हिंदू परिषद गोरक्ष प्रांत की प्रांत कार्य समिति की बैठक में प्रांत संगठन मंत्री दीपेश ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी जिला और प्रखंड समितियों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने प्रत्येक जिले में संस्कार प्रमुख, संपर्क प्रमुख, सेवा प्रमुख, विशेष संपर्क प्रमुख और प्रचार—प्रसार प्रमुख की नियुक्ति को गति देने और जिला स्तर पर नियमित मासिक बैठकें करने की अनिवार्यता पर भी जोर दिया। बैठक में प्रांत अध्यक्ष पुरुषोत्तम मरोदिया और प्रांत मंत्री नागेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में सोशल मीडिया विस्तार, दुर्गा वाहिनी, सेवा प्रकल्प, विशेष संपर्क, धर्माचार्य संपर्क और विमर्श समूहों में सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। दुर्गा वाहिनी और बजरंग दल के पदाधिकारियों को हित चिंतक अभियान में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया गया। बैठक की शुरुआत श्रीराम दरबार के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर की गई। इसमें प्रांत अध्यक्ष पुरुषोत्तम मरोदिया, प्रांत संगठन मंत्री दीपेश, प्रांत मंत्री नागेंद्र सिंह, प्रांत सह मंत्री सगुण

श्रीवास्तव, मंगल देव चौबे और प्रांत उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह सहित गोरक्ष प्रांत के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य एजेंडा श्रद्धेय अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और हित चिंतक अभियान को प्रखंड स्तर तक प्रभावी बनाने का रहा। इस अवसर पर अशोक सिंघल पर आधारित एक पुस्तक और 'हिंदू विश्व' के विशेषांक का प्रांत में लोकार्पण हुआ। प्रांत मंत्री नागेंद्र सिंह ने समाज के उत्थान के लिए निरंतर सेवा कार्य जारी रखने का आह्वान किया। बैठक में धर्मांतरण और 'लव जिहाद' जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं को सजग रहने और सामाजिक जागरूकता पर ध्यान देने को कहा गया। सभी जिला और प्रखंड समितियों को प्राथमिकता से पूर्ण करने, विभिन्न प्रमुखों की नियुक्ति में गति देने और जिला स्तर पर नियमित मासिक बैठकें करने पर जोर दिया गया।

छात्राओं को डीएनए जांच की तकनीक का दिया प्रशिक्षण

संवाददाता—गोरखपुर। सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय, आर्यनगर में वनस्पति विज्ञान विभाग की बॉटनिकल एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन शनिवार को हुआ। मॉलिक्यूलर टूल्स एंड टेक्निक विषय पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन डीडीयू के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ. एमन तनवीर और सिमरन कोहली ने छात्राओं को जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस से डीएनए की गुणवत्ता जांचने और स्पेक्ट्रोफोटोमीटर से उसकी मात्रा का आकलन करने का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने प्रयोगात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्‌घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 307/2026

1— कमलावती उम्र 46 वर्ष पत्नी स्व0 सुरेन्द्र कुमार 2. अमर कुमार गौरव उम्र 25 वर्ष पुत्र स्व0 सुरेन्द्र कुमार 3. पूजा गौतम उम्र 28 वर्ष पुत्री स्व0 सुरेन्द्र कुमार निवासीगण ग्राम अमौली एकडेंगा तप्पा करही पोस्ट कराहिया गोसाई परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी— 03.11.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पिता सुरेन्द्र कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र के अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि आवेदकगण ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 11 के 03 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्‌घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिकर्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 10 के 31 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0—353/26

धारा 144 उ0प्र0रा0सं0—2006

अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय हर्रैया जिला बस्ती

इन्द्राज सिंह

बनाम

विजयपाल सिंह आदि

मौजा वाघानाला तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. सुरेश कुमार सिंह 2. दिनेश कुमार सिंह पुत्रगण स्व0 गयादत्त सिंह 3. राजेशकुमार सिंह 4. योगेन्द्र प्रताप सिंह पुत्रगण स्व0 छत्रपाल सिंह निवासी ग्राम टिकरिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. ग्राम पंचायत बाघानाला जरिये अध्यक्ष ग्राम पंचायत नि0 गौरियानयन तप्पा वेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19—11—2026

वाजेह हो कि जर्नादन ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 31 माह 10 सन 2026 ई0 जारी किया गया। —द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत—श्रीमान अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला—बस्ती

अपील सं0—D202617140001551

गिरजा देवी

बनाम

फूला देवी

1. फूला देवी पत्नी स्व0 राम चन्दर मौजा साकिन मौजा हड़िया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 05—11—2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 05 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान ग्राम न्यायालय हर्रैया बस्ती जिला—बस्ती

मूलवाद सं0—1311/2020

इम्तियाज हुसेन आदि

बनाम

मिर्जा इफ्तीखार हुसेन

1. मिर्जा इफ्तीखार हुसेन उम्र लगभग 50 साल पुत्र मिर्जा एजाज हुसेन साकिन मलौली गोसाई तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 24—11—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत—श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्णसिविल अपील सं0—76/2025

भवानी प्रसाद

बनाम

श्रीमती गीता देवी आदि

1 श्रीमती गीता देवी उम्र लगभग 58 वर्ष पत्नी वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी निवासी ग्राम तिवारी टोला बस्ती खास, तप्पा हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती 2 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी उम्र लगभग 66 वर्ष पुत्र सीताराम त्रिपाठी निवासी ग्राम तिवारी टोला दक्षिण दरवाजा बस्ती, तप्पा हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती

—प्रतिवादी प्रत्यर्थीगण प्रथम वर्ग

3/1 — श्रीमती सुधा देवी वयस्क पत्नी अशोक कुमार निवासी ग्राम बस्ती खास, तप्पा हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती 4 प्रवेश पाण्डेय वयस्क पुत्र कृष्ण गोपाल पाण्डेय निवासी ग्राम खटियावाँ, डाकघर खटियावाँ, थाना दुधारा, जनपद सन्तकबीरनगर

—प्रतिवादी प्रत्यर्थीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 27—11—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चर्तुमुंगी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com